



निर्माण IAS

HEAD OFFICE: 12, Mall Road, Hudson Lane, Kingsway Camp, Delhi-9

CLASS ROOM: 624, IIInd Floor, Main Road Mukherjee Nagar, Near Agarwal Sweet, Delhi-9

Ph.: 011-47058219, 9990765484, 9871968820

परीक्षार्थी का नाम/ Name of the Candidate: विकेश चौधरी

रोल नं./ Roll No: 158 फोन नं./ Phone No: 9810202020

दिनांक/ Date of Examination: 02/01/16

विषय/ Subject: Post Independent

दिनांक:- 20/01/2015

(आजादी के बाद का भारत)

प्रश्न संख्या
Question No.

पूर्णांक:- 100

सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(S2)

समय:- 60 मिनट

इस भाग में
कुछ न लिखें
(Don't write anything in
this part)

प्रश्न 1.

भारत पाक युद्ध के पूर्व उत्पन्न स्थिति में जय जवान जय किसान का नारा बहेद सार्थक था।

(200 शब्द) (अंक 20)

~~भारत पाक युद्ध के पूर्व उत्पन्न की अमीर स्थिति से जै~~

~~भारत पाक युद्ध से पूर्व जैरान भी की मूल्य, सेना का गिरता भवितव्य, जमियोश होती हुतनिरपेक्षा, यह इह अकाल, उत्पादन में गिरावट, श्रावण, लेटलाए जैसी अमीर समस्याओं के मध्य शास्त्री जी का 'जय भवन जय किसान' का नारे ने देश में एक नयी दृष्टि, व्यापार का संचार किया, विसकी परिणति पाकिस्तान एवं लिप्पि के रूप में सामने आयी।~~

~~युद्ध से पूर्व~~

~~पीन से मिली हार के कारण भारतीय स्थिति आर्पित व सानसिक रूप से जमियोश हो छुकी थी, इसी लीला नैहस भी की मूल्य से सभी हतोत्साहित थे~~



निर्माण IAS

Ph.: 011-47058219, 9990765484, 9871968820

U.P.S.C.

देश में अकाल पड़ा गया, कृषि उत्पादन में तीव्र विरावट आ चुकी थी, इसी बीच देश में अगह-अगह भाषाधी, भातिहार आदार पर अलग राष्ट्रों की मांग उठ रही थी, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दृढ़तम्भिका का सिलान कमज़ोर पड़ रहा था। पाकिस्तान की अमेरिका के द्वारा संन्य सहायता प्रदान की जा रही थीं तथा पाकिस्तान कई अमेरिकी संन्य-संगठनों में शामिल हो चुका था,

परन्तु इसी बीच

लाल बहादुर झास्ती ने 'भय जवान भय किलान' का नाश पैते हुए इस बात का परिचय दे दिया कि देश में भवाहर लाल के अवाल भी अनेक लाल हैं औ अकाल की मार को छोल भगते हैं। देश में ब्रिटेन क्रान्ति की प्रत्याहन दिया जैशनल डेपर्टमेंट बोर्ड की स्थापना की तथा इसित क्रान्ति द्वारा देश में कृषि उत्पादन में अमृतपुरी बुड़ि के हुयी। इस बायट में बुड़ि कर सेना की ओर मध्यूत बनाया। देश में एक संचार क्रान्ति की लहर दाँर पड़ी,

1965 जिसके

परिणामस्वरूप देश नेतृत्व से पाकिस्तान पर विभाग साफ की, वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की साथ मध्यूत हुयी तथा चीन को भी सत्याग्रह पद दिया अद्या कि भारत अपने प्रेशरिंगों से लड़ने में



निर्माण IAS

Ph.: 011-47058219, 9990765484, 9871060020

U.P.S.C.

इस भाग में
कुछ न लिखें
(Don't write
anything in
this part)

सप्तम ही

11

आजादी के बाद विभिन्न क्षेत्रों में इस समस्या का परीक्षण करें।

क्षेत्र एवं ग्रन्थ ५४२।

प्रश्न 2.

आजादी के बाद क्षेत्रवाद के उदय एवं विभिन्न क्षेत्रों में इस समस्या का परीक्षण करें।

(200 शब्द) (अंक 20)

अपने देश पा राष्ट्र के हितों को किसी इसरे राष्ट्र के हितों के विरुद्ध रखना तथा इसी हित के आद्यार पर संघर्ष को प्रोत्साहित करना नेतृत्वात् कहलात है।

आजादी के बाद अपने रेता, संस्कृति, सम्पत्ता में वर्चस्वता स्थापित करने की यह समस्या तेजी से उभरी। शैशवाधियों द्वारा शैशगार, शिशा में स्थान पाप्त करने से वहाँ अँग बल मिला। लोगों में अपनी संस्कृति की सुरक्षा का अप पैदा हो गया, जहाँ अब बंटवारा, भाषापी बंटवारा, भारशण, अवग शष्ठ की मांग अनेक मुद्रित उभर कर सामने आने लगी। इस समस्या में धरतीचुत की अवधारणा तथा 'संकीर्ण मानसिकता वाले शब्दनीतिक दलों' ने अल्पेश्वर का काम किया। जिससे लड़ाकों और —



निर्माण IAS

Ph.: 011-47058219, 9990765484, 9871968820

U.P.S.C.

जागा समस्या, असम समस्या, बोर्ड समस्या इत्यादि उभय-
कर सामने आयी। पिनेले द्वारा अलग राज्य की
सोग की जाने लगी जो कि दैश की शक्ता व
अखण्डता हैले खत्था था। सरकार पर मैदानात नीति
अपनाने के भारोप लगे।

भारत सरकार द्वारा इस समस्या
के समाधान हैले विशेष भार्थिक पैकेज की व्यवस्था
की गयी लई अगहों पर भाषा के आषाढ़ पर
तो कहीं भनमत संग्रह के आषाढ़ पर राज्य निर्मित
किए गए। कई स्पनों पर भारत सरकार द्वारा
सेना बब का सहारा लिए गए। हाँर विशेष
रिआयत देकर संतुष्ट करने की कोशिश की गयी
इसी तरह 1963 में नागार्वेंड, अलग पंजाब राज्य
आदि निर्मित हुए।

यद्यपि आज भी भारतर्भ में
सेनाद की समस्या उत्तम होती है जिसका ऐउदा
तेलंगाना राज्य निर्माण के रूप में देखा जा
सकता है, जिसका समाधान करने हैले भूल कारण
असंतुष्टता, अधिकार लिना, शाजनीतिक स्थार्थ पूर्ति
हैले मुक्ति के रूप में उपयोग आदि की छुलझाना
होगा।

पृष्ठा
१०१
पृष्ठा
१०१
पृष्ठा
१०१
पृष्ठा
१०१

प्रश्न 3.



इस भाग में
कुछ न लिखें
(Don't write anything in
this part)

प्रश्न संख्या
Question No. Name.....

Roll No.....

U.P.S.C.

- प्रश्न 3. डी.एम.के. की एक प्रमुख मांग पृथक द्रविड़नाडु की थी। परंतु आखिर ऐसा क्या हुआ कि डी.एम.के. के पृथक राष्ट्र की मांग या पृथक द्रविड़नाडु की मांगों को क्यों त्याग दिया। (200 शब्द) (अंक 20)

1914 में इविड शशीसिंहशाह व तत्पश्चात् डी.एम.के. द्वारा पृथक गेंद बाष्मण द्रविड़नाडु की मांग रखी गयी जिसका उत्तराधिकारी छिंती की सूर्ति तपा उल्लर वर्चस्व रहित द्रविड़नाडु की स्पापना करना चाहा।

अपनी मांगों की सूर्ति हेतु 1959 के द्विनाव में डी.एम.के. द्वारा मांग नहीं लिया गया परन्तु छीर्दि-छीर्दि शपनीति में सर्वेश छुड़ा, 1962 के द्विनाव छोषणा पत्र में यह सुदूर लोर्ने के बावजूद इसे व्यापक समीक्षा किया जाय दी 1962 के भारत-चीन युद्ध से डी.एम.के. ने यह मांग त्याग दी। कांग्रेस द्वारा कामराज की लुट्प्रभमंती बनास जाने तक से DMK के मन में यह विवेकास भगा कि कांग्रेस मात्र बाष्मण सरकार नहीं है तपा कांग्रेस द्वारा संविधान संशोधन कर यह बात स्पष्ट - 16 नं कर दी कि जो देश की रक्ता व अज्ञाता को शाधार



निर्माण IAS

Ph.: 011-47058219, 9990765484, 9871968820

U.P.S.C.

एहुचाँने वाली किसी भी तरह की मांग केरवा, उसे दृष्टि किए जाएगा साथ ही यह सोसद को देख की रकता, अवधारणा की रस्त लेने की शापथ लेनी होगी। तत्पश्चात् ~~एक~~ सक्षमतादायकतादी मांग से इपर ऊकर राष्ट्रविकास, उन्नति की मांगों को आघात बनाने वाला दब बन गया।

~~साथ ही एक और राष्ट्रवाद का संदेश दे रही थी, उससे यह भय फैला कि भारिर पुरुष इविडनाडु की मांग किसे लिया है? कन्नड, तमिल, तेलुगु। अतः उसे कौन को भी यह झटका देंगा कि भगव पुरुष इविडनाडु मिल भी जाता है तो वह भारिक रूप से खर्ज़ होगा। अतः यह यह मांग द्वारा दी गयी।~~

617215
CM



U.P.S.C.

इस भाग में
कुछ न लिखें
(Don't write
anything in
this part)

प्रश्न 4.

शरणार्थियों की समस्याओं पर वृष्टिधात करते हुये बतायें कि भारत इन समस्याओं को किस प्रकार सुलझा पाया।
(200 शब्द) (अंक 20)

~~देश विभाजन का आधार बोल रहे भारत के सामने एक महत्वपूर्ण समस्या शरणार्थियों के आगमन की उनकी सुरक्षा, उपचार, निवास, भूमि, व्यवसाय, मनोरंजनिक अनुष्ठिति की दी जिसे हमारे देश के ने बड़ी सुझ छोड़ के साथ सुलझाया, विसमीं सेना का दीगदान अनुबन्धीय रूप।~~

~~भारत में जत्यों से द्वा रहे शरणार्थियों की सुरक्षित तरीके से बाना उन्हें बलात्कार, अपहरण और घटनाओं से छुपाने, खोपी छपी स्थितियों को बापत लाने की समस्या थी। साथ ही दंवाईर्पा, डाक्टर, आदि उपचार करने की आवश्यकता की। इन शरणार्थियों को निवास स्थान दिये, जोड़ की शत्रि बोला से शाल देने के बाद साथ ही छुँज, पर्दे ए से नियात दियाने द्वारा मनोरंजन की साधनों की मात्रापूर्ता है।~~



निर्माण IAS

Ph.: 011-47058219, 9990765484, 9871968820

U.P.S.C.

पूर्वी पाकिस्तान से आए शरणार्थी भाषा हिन्दी गयी भमीन 22 लाख हैक्टेएर घी जबकि भारत में हिंसलामानों द्वारा होड़ी गयी भमीन 19 लाख हैक्टेएर ही थी। साथ ही इन्हें व्यवसाय देने की भी आवश्यकता थी।

(10)

समस्या समाधान हेतु हैलीकॉम्प्यूटर की सहायता से फ्लाई, डाक्टर आदि राशन सामाजी गैजी गयी। जिसे के अने से पूर्व ही सेना द्वारा चमत्कारिक रूप से कैम्प निर्मित कर दिया था। भनोरंजन के साथनों जैसे - संडीत, प्लाचित की व्यवस्या की गयी जिससे लोग छाटी अपने पर्द मूल जाते थे। सर्वधृष्टम् 4-4 श्कृ, तत्पश्चात् स्फैर्ड श्कृ व श्वैर्डकृ के माध्यम से भूमि वितरण किया गया। शजिन्द्र नगर, पंजाबी लाल जैसी कौंबोनियां बसायी गयी। अब साथनों का पूर्योग श्कृ शरणार्थी को राहत पहुंचायी गयी।

मैं न अने के बारे जो शरणार्थी श्कृ-श्कृ के आ रहे थे उनकी समस्या ज्यादा बड़ी थी परन्तु फिर भी भारत सरकार की स्कृ बृज, दूरदर्शी सौच ने समस्या समाधान किया।



U.P.S.C.

इस भाग में
कुछ न लिखें
(Don't write
anything in
this part)

- प्रश्न 5. भारतीय रियासतों के भारतीय संघ में बल्लभ भाई पटेल बहुत कुशलतापूर्वक दक्षतापूर्ण राजनीतिका के साथ प्रलोभन, दबाव एवं बल प्रयोग करते हुये सफल रहे। इस संदर्भ में पटेल की नीति एवं सफलता का मूल्यांकन करें। (200 शब्द) (अंक 20)

~~वित्तिश छाश शाप्प विलप नीति व इसके हृष्टरिणामों के बावधूद स्क तश्फ जहां भारत विभाजन में खड़े स्तर पर शक्त-पात्र व हिंसा हुयी वही इसरी और पटेल ने अपनी हुम्हिमता, द्वृद्धर्णी सौन्त, समझौतावादी प्रवृत्ति के आदार पर लगभग ५६२ रियासतों का विलप कर दिया वो भी जब देश में अखण्डता न शवतरा बना हुआ था।~~

~~पटेल छाश रियासतों के विलप हेतु दबाव, प्रलोभन व बल का प्रयोग करते हुए इसकों के सामने श्रीवीर्षसि का प्रस्ताव रखा उन्हें पहले कहा कि आशिसन दिया की उनके आन्तर्गत सामने में इस्तेष नहीं किया थारग्गा, वित्तिश भारत से हुए उनके सभी समझौतों को अपातक रखा~~



U.P.S.C.

क्षेत्र भारतगा, इससे बदले उन्हें धूपने छाप्ह ही अधिनार सुशशा, संचार, तिदेश स्थापित होंगे व इसके बदले उन्हें भारत सरकार की ओर से सुशशा प्रदान की जाए जारी। साथ ही भगव वैं इसे नहीं मानते हैं तो अविष्य में कम सुविधाभन्क शर्तें पर उन्हें विषय मन्त्रित्व करना पड़ेगा। डोष बची तीन रिपास्टो करमीर, घुनागढ़, हैंदराबाद की भी सेना, अनमत व अंपरेशन 'पीलो' झारा विषय कर लिया गया।

पटेल के साथ

मैनन व बाई माउंटबेटन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। पटेल की ज़िम्मत, दूसरा द्वरज़िता की सराहना करते हुए बाई माउंटबेटन जी कहा भी है कि— पटेल जो ऐसा विषय पर तैयार किया थिससे बिना किसी रक्तपात के 562 रिपास्टो का विषय कर लिया गया व कैसी रिपास्टो के साथ-साथ भारत भी भारत के साथ देशी रिपास्ट की लाभ की स्थिति में रहे।

लिखा पर्याप्त
निर्माण



निर्माण IAS

Ph.: 011-47058219, 9990765484, 9871968820